न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

मो० सलीम अन्सारी ..... बनाम ..... आजीमुद्दीन अंसारी

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
30-11-17	अभिलेख सं0–एम....154../2017 धारा–107 द0प्र0सं0 थाना प्रभारी ....तमाड़.... के अप्राथमिकी सं0–47/17 दिनांक–28-10-17 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि जमीनी विवाद को लेकर उभय पक्ष में तनाव है। जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी। अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध द0प्र0सं0 की धारा–107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू0 का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय। अभिलेख तिथि ...15-12-17... को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित (हस्ताक्षर) कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। (हस्ताक्षर) 30/11/17 कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।	
15-12-17	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष अनुपस्थित। दिनांक 05-01-18 को रखें। (हस्ताक्षर) 15/12/17	

पृष्ठ सं०—

तिथि	आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर
25-06-18	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष ~~उपस्थित किन्तु~~ अनुपस्थित। दिनांक 20-07-18 को रखें। 25/6/18
20-07-18	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष अनुपस्थित। दिनांक 06-08-18 को रखें। 20/7/18
06-08-18	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष अनुपस्थित। उक्त वाद में 6 (छः) मास की अवधि पूर्ण हो चुकी है अर्थात वाद कालबाधित हो गया है। अतः वाद में अभिलेख की कार्रवाई बन्द की जाती है। 6/8/18

Digitally signed by AJAY KUMAR SAW
Date: 2021.08.16 13:42:33 +05:30
Location: 192.168.43.107